सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 22 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 23 फरवरी, 2023
मूल्य ₹ 3/-

जब आपके पास एक मिलियन डॉलर है, तो आप एक भाग्यशाली व्यक्ति हैं। जब आपके पास 10 मिलियन डॉलर हैं, तो आप पर संकट है, बहुत बड़ा सिरदर्द।
-जैक मा

चुनाव आयोग ने वही किया जो मोदी सरकार... 2 | सरकारों को अपराधों पर लगाना... 3 | केंद्रीय बजट के बाद योगी बजट... 7

# कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को विमान से उतारा, गिरफ्तार

## मोदी सरकार से डरेंगे नहीं, देंगे मुहतोड़ जवाब : जयराम

» रायपुर जाने की तैयारी कर रहे थे
» कांग्रेस महाअधिवेशन को बाधित करना चाहती है बीजेपी
» सामान को समस्या बताकर नीचे बुलाया : खेड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को पहले रोक गया, उसके बाद उन्हें असम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वह कांग्रेस की बैठक के लिए रायपुर जाने की तैयारी कर रहे थे। उनके साथ हुई इस बदसलूकी पर कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी की मोदी सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया है। दिल्ली से रायपुर जा रही फ्लाइट में पवन खेड़ा जैसे ही बैठने वाले थे उन्हे रोका गया। आपको बता दें कि हाल ही में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ टिप्पणी की थी।

इसे लेकर भाजपा ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पवन खेड़ा ने अडानी मामले पर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था अगर अटल बिहारी वाजपेयी जेपीसी बना सकते हैं तो नरेंद्र गौतम दास मोदी को क्या दिक्कत है?

पवन खेड़ा ने कहा कि मुझे कहा गया कि आपके सामान को लेकर कुछ समस्या है, जबकि मेरे पास केवल एक हैंडबैग है। जब फ्लाइट से नीचे आया तो बताया गया कि आप नहीं जा सकते हैं। फिर कहा गया- आपसे डीसीपी मिलेंगे। मैं काफी देर से इंतजार कर रहा हूं। नियम, कानून और कारणों का कुछ अता-पता नहीं है।

### दिल्ली पुलिस से किया था अनुरोध : असम पुलिस

पवन खेड़ा को गिरफ्तार करने के बाद प्रशांत कुमार भुइयां, असम पुलिस के आईजीपी एलएंडओ ने बताया, हमने दिल्ली पुलिस से उन्हें (पवन खेड़ा) गिरफ्तार करने का अनुरोध किया है। स्थानीय अदालत से अनुमति लेने के बाद हम उन्हें असम लाएंगे। असम के दीमा हसाओ जिले के हाफलोंग थाने में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

### तानाशाही का दूसरा नाम अमित शाही : जयराम रमेश

उधर, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट करते हुए लिखा कि पहले ईडी ने रायपुर में छापामारी की, अब पवन खेड़ा को दिल्ली पुलिस द्वारा रायपुर के जहाज़ से उतारा गया है। तानाशाही का दूसरा नाम अमित शाही है। मोदी सरकार हमारे राष्ट्रीय महाअधिवेशन को बाधित करना चाहती है। हम डरने वाले नहीं हैं, देशवासियों के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

### फ्लाइट से उतारा गया : कांग्रेस

कांग्रेस ने ट्वीट कर जानकारी दी है कि आज इंडिगो की फ्लाइट 6ई-204 से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिल्ली से रायपुर के लिए जा रहे थे। सभी लोग फ्लाइट में बैठ गए थे, उसी दौरान कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को फ्लाइट से उतरने को कहा गया। कांग्रेस पार्टी ने ट्वीट करते हुए लिखा कि सबसे पहले ईडी छत्तीसगढ़ भेजी गई। अब कांग्रेस अधिवेशन में शामिल होने जा रहे पवन खेड़ा को फ्लाइट में चढ़ने से रोक दिया गया। इस तानाशाही को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम लड़ेंगे और जीतेंगे।

# मोदी के अच्छे दिन खत्म हो गए हैं : शत्रुघ्न सिन्हा

» ममता लोकसभा चुनाव में गेम चेंजर साबित होंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि हम लंबे समय से ये बातें सुन रहे हैं कि कौन अगला नेता होगा। जब नेहरू प्रधानमंत्री थे, तब भी लोग ऐसे ही सवाल करते थे लेकिन ये सब बेबुनियाद बातें हैं। अहम बात ये है कि किसे प्रधानमंत्री बनने से रोकना है, इसे लेकर स्पष्टता होनी चाहिए। बीजेपी और प्रधानमंत्री पर हमला करते हुए शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि मेरे दोस्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अच्छे दिन खत्म हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा वन मैन शो और टू मैन आर्मी हो गई है।

अभिनेता से नेता बने शत्रुघ्न सिन्हा ने अपनी पार्टी टीएमसी की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तारीफ की और उन्हें जांची परखी नेता बताया। ममता बनर्जी अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में गेम चेंजर साबित होंगी।

# ईडी ने केजरीवाल के पीए को किया तलब

» शराब नीति मामले में की पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार से बृहस्पतिवार को पूछताछ की। अधिकारियों ने बताया कि कुमार ने यहां संघीय जांच एजेंसी के समक्ष बयान दर्ज कराया और जांचकर्ताओं ने धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत उनका बयान दर्ज किया।

ऐसा माना जा रहा है कि उनसे अदालत के समक्ष ईडी के उन आरोपों के संबंध में पूछताछ की गयी कि दिल्ली के मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और बिभव कुमार समेत कम से कम 36 आरोपियों ने कथित घोटाले में हजारों करोड़ रुपये की 'रिश्वत के सबूत छिपाने के लिए 170 फोन नष्ट किए या उनका इस्तेमाल किया।

ईडी ने अदालत में दिए आरोपपत्र में आरोप लगाया कि दिल्ली आबकारी नीति के तहत कथित तौर पर ली गयी 100 करोड़ रुपये की ''रिश्वत का ''इस्तेमाल अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली पार्टी के 2022 के गोवा विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान में किया गया। आबकारी नीति 2021-22 पिछले साल अगस्त में रद्द की गयी और दिल्ली के उपराज्यपाल ने बाद में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कथित अनियमितताओं की जांच करने के लिए कहा. ईडी के धन शोधन का मामला सीबीआई की प्राथमिकी से निकला है।

# सहकारी घोटाले में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शामिल : गहलोत

**» बोले-पूरा परिवार इसमें शामिल, मोदी जी कब हटाएंगे आरोपी मंत्री को**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर/जोधपुर। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत पर सहकारी समिति घोटाले में शामिल होने का संजीवनी सहकारी समिति घोटाले को लेकर सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत और सीएम अशोक गहलोत के बीच वाकयुद्ध जारी है। यह तकरार उस समय तीखी हो गई, जब गहलोत ने शेखावत पर गंभीर आरोप लगाए।

गहलोत ने दावा किया कि केंद्रीय मंत्री के परिवार के सदस्य भी घोटाले में शामिल हैं। गहलोत ने कहा, इस घोटाले में गजेंद्र सिंह के पिता, मां, पत्नी, पांच साले शामिल हैं। उनकी मां का निधन हो गया है, लेकिन उनका पूरा परिवार शामिल रहा है। इस मामले में लगभग 50 आरोपी हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने ऐसे शख्स को मंत्री बनाया है, जिस पर गंभीर आरोप हैं।

## केंद्रीय एजेंसियां मंत्री की जेब में

गहलोत ने कहा संजीवनी घोटाले में 80 प्रतिशत पीड़ित राजपूत हैं। उन्होंने कहा कि मैंने भगवान सिंह रोलसब्सर से बात की है, जो गजेंद्र सिंह शेखावत के संरक्षक हैं। मैंने उनसे शेखावत को लोगों के पैसे वापस करने के लिए मनाने का आग्रह किया। मुझे नहीं पता कि शेखावत ने कितने देशों में घोटाले की रकम को पार्क किया है। यह तो केंद्रीय मंत्री महोदय को स्पष्ट करना चाहिए। वह इस मामले की जांच ईडी से क्यों नहीं करवा रहे हैं?। घोटाले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने पर गहलोत ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी तो शेखावत की जेब में है।

गहलोत ने यह भी कहा कि शेखावत को राजस्थान पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) के पास जाना चाहिए और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए कहना चाहिए। गहलोत ने फोन टैपिंग मामले का जिक्र करते हुए कहा, इससे पहले हमारी सरकार को गिराने की कोशिश की गई, जिसमें शेखावत ने मुख्य भूमिका निभाई। शेखावत ने दो दिन पहले गहलोत की ओर से उनके चरित्र की राजनीतिक हत्या करने का आरोप लगाया था। गहलोत ने तब शेखावत पर पलटवार करते हुए दावा किया था कि संजीवनी घोटाले के बाकी दोषियों की तरह भाजपा नेता की ओर से किया गया अपराध भी साबित हो गया है। शेखावत पर निशाना साधते हुए गहलोत ने कहा था, केंद्रीय मंत्री संजीवनी सहकारी समिति घोटाले में जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें हजारों निवेशकों को कथित तौर पर लगभग 900 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

# सी राजगोपालाचारी के परपोते ने कांग्रेस छोड़ी

**» अन्य पार्टी में शामिल होने की बात से फिलहाल इनकार**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। कांग्रेस के दिग्गज नेता और देश के पहले गवर्नर जनरल सी राजगोपालाचारी के पोते सीआर केसवन ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। सीआर केसवन ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना त्यागपत्र भेजा है। गुरुवार को दिए अपने इस्तीफे में सीआर केसवन ने लिखा कि वह पार्टी के लिए बीते दो दशकों से काम कर रहे हैं लेकिन अब उन मूल्यों में कमी आई है, जो उन्हें पार्टी के लिए काम करने के लिए प्रेरित करते थे। केसवन ने लिखा कि पार्टी जो मौजूदा वक्त में दिख रही है, उसके साथ वह सहज महसूस नहीं कर रहे हैं।

केसवन ने लिखा कि इसी वजह से उन्होंने हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले पार्टी के लिए कार्यक्रम की जिम्मेदारी नहीं उठाई और ना ही वह भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए। केसवन ने लिखा कि अब समय आ गया है कि वह नए रास्ते पर आगे बढ़ें और इसलिए वह पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं। केसवन ने तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी को भी अपना इस्तीफा भेज दिया है। केसवन ने अन्य पार्टी में शामिल होने की बात से फिलहाल इनकार किया है। हालांकि उन्होंने लिखा कि उन्हें खुद नहीं पता कि आने वाले वक्त में क्या छिपा है।

# अब चुनाव नहीं लड़ेंगे येदियुरप्पा

**» राजनीति से लिया संन्यास**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा ने राजनीति से संन्यास ले लिया। विधानसभा में उन्होंने कहा कि ये मेरी फेयरवेल स्पीच है। ये एक दुर्लभ पल है, क्योंकि अब मैं दोबारा चुनाव नहीं लड़ूंगा। मुझे बोलने का मौका देने के लिए शुक्रिया। उन्होंने स्पीच में पीएम मोदी को धन्यवाद भी किया।

उन्होंने कहा कि अगर भगवान ने मुझे शक्ति दी तो मैं पांच साल बाद होने वाले अगले विधानसभा चुनावों में भी भाजपा को सत्ता में लाने के लिए अपना पूरा जोर लगाऊंगा। मैं पहले ही कह चुका हूं कि अब मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा, लेकिन पीएम मोदी और पार्टी ने मुझे जो सम्मान और पद मिला उसके मैं जीवनभर नहीं भूल पाऊंगा।

विधानसभा का सत्र शुक्रवार को समाप्त हो रहा है। येदियुरप्पा ने कहा अब मैं विधानसभा में तो आ सकता हूं और न ही बोल सकता हू। इस पर विधानसभा अध्यक्ष विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी और संसदीय कार्य मंत्री जे सी मधुस्वामी ने हस्तक्षेप किया और कहा कि येदियुरप्पा शुक्रवार को सदन में अपना अंतिम भाषण देंगे। गौरतलब हो कि हाल ही में येदियुरप्पा मोदी से भी मिले थे।

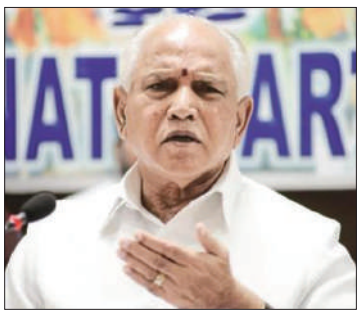

## सीएम पद मैंने खुद छोड़ा था

भावुक कर देने वाले अपने भाषण में उन्होंने कहा कि विपक्ष कहता है कि मुझे मुख्यमंत्री पद से उन्हें हटाया गया था। ये गलत है। येदियुरप्पा को किसी ने मुख्यमंत्री पद से नहीं हटाया था। येदियुरप्पा ने अपनी उम्र के चलते ये फैसला लिया था। दरअसल, जुलाई 2021 में येदियुरप्पा ने पार्टी आलाकमान के कहने पर मुयख्मंत्री पद छोड़ दिया था और उनकी जगह पर बासवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाया गया था। इसे लेकर विपक्ष कई बार येदियुरप्पा की पार्टी पोजिशन पर सवाल उठाता रहा है।

# चुनाव आयोग ने वही किया जो मोदी सरकार चाहती थी : पवार

**» बोले-हमने चुनाव आयोग का ऐसा फैसला कभी नहीं देखा**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुबई के पूर्व सीएम व एनसीपी चीफ शरद पवार ने कहा है कि चुनाव आयोग ने वही किया जो सरकार चाहती थी। गौरतलब हो कि चुनाव आयोग की ओर से शिंदे गुट को शिवसेना का नाम और पार्टी सिंबल देने के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली बेंच ने चुनाव आयोग के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

हालांकि, उद्धव की याचिका पर शिंदे गुट और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर 2 हफ्ते में जवाब मांगा। इधर, एनसीपी चीफ शरद पवार ने कहा कि चुनाव आयोग ने वही किया जो सरकार चाहती थी। आयोग का दुरुपयोग किया गया है। हमने चुनाव आयोग का ऐसा फैसला कभी नहीं देखा। बालासाहेब ठाकरे ने अपने आखिरी दिनों में कहा था कि उनके बाद उद्धव ठाकरे को शिवसेना की जिम्मेदारी दी जाएगी।

## शिंदे गुट और चुनाव आयोग 2 हफ्ते में जवाब दें : सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव की याचिका पर शिंदे गुट और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर 2 हफ्ते में जवाब मांगा है। डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने कहा कि शिंदे गुट ने चुनाव आयोग के सामने खुद को साबित किया है। इस स्थिति में अभी हम चुनाव आयोग के आदेश पर रोक नहीं लगा सकते हैं। उद्धव गुट की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि पार्टी ऑफिस और बैंक अकाउंट्स पर शिंदे गुट कब्जा कर रहा है। ऐसे में कोर्ट स्टे ऑर्डर जारी करे। अदालत ने कहा कि उद्धव कैंप अभी मिले अस्थायी नाम और चुनाव निशान का इस्तेमाल जारी रख सकता है। दरअसल अदालत ने यह फैसला 26 फरवरी को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा उपचुनाव को देखते हुए दिया। कोर्ट ने शिंदे गुट से कहा कि आप भी अभी ऐसा कोई व्हिप नहीं जारी करेंगे जिसे न मानने से उद्धव समर्थक सांसद और विधायक अयोग्य हो जाएं।

# शिंदे के बेटे को बदनाम कर रहे हैं राउत : मंत्री शंभुराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री शंभुराज देसाई ने आरोप लगाया है कि संजय राउत मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। बता दें कि संजय राउत ने एकनाथ शिंदे के बेटे और सांसद श्रीकांत शिंदे पर ही हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया था। संजय राउत ने मुंबई पुलिस कमिश्नर को इस संबंध में लिखित शिकायत भी दी है।

संजय राउत का कहना है कि लोकसभा सांसद श्रीकांत शिंदे ने मुझे मारने की सुपारी थाणे के अपराधी राजा ठाकुर को दी है। मैं एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते आपसे यह साझा कर रहा हूं। संजय राउत ने अपने पत्र की कॉपी उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और थाणे पुलिस को भी भेजी है। बता दें कि श्रीकांत शिंदे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे हैं और फिलहाल थाणे के कल्याण से सांसद हैं। जब संजय राउत के आरोपों के बारे में थाणे के प्रभारी मंत्री शंभुराज देसाई से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि संजय राउत अपनी सुरक्षा बढ़वाने और मुख्यमंत्री के बेटे को बदनाम करने के लिए ऐसे आरोप लगा रहे हैं।

## बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

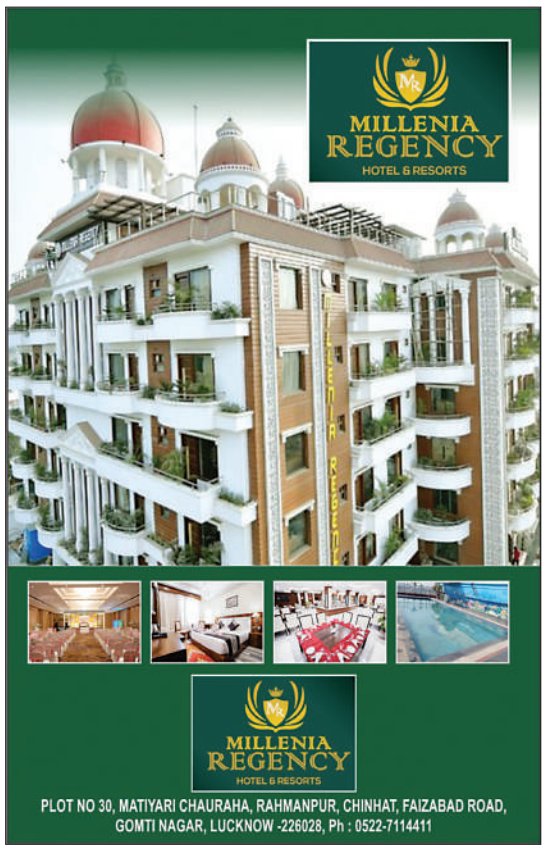

# बार-बार सत्र स्थगित होना 'अलोकतांत्रिक'

## सदनों में सार्थक बहस हो, सत्ता व विपक्ष निभाए जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। जिस तरह से संसद व राज्यों के विधानसभाएं सत्र के दौरान हंगामे की भेंट चढ़ जाती है वह दुर्भाग्यपूर्ण है। क्या सत्ता क्या विपक्ष दोनों ही के सदस्य गंभीर मुद्दो पर बहस के दौरान शोर-शराबा करके सदनों की कार्यवाही को बाधित करते है। कभी-कभी मामला इतना बढ़ जाता है कि पीठासीन अधिकारियों को कार्यवाही स्थगित करनी पड़ती है। इस तरह जनता के गंभीर मुद्दों की अनदेखी हो जाती है। जिस प्रतिनिधि को जनता ने संसद में अपनी बात रखने के लिए भेजा है वह वहा तमाशाबीन बनकर रह जाते हैं।**

कभी-कभी विपक्ष असंसदीय एवं आक्रामक तरीका ज्यादा से ज्यादा अपनाकर अपने विरोध को विराट बनाने के लिये सार्थक बहस की बजाय नारेबाजी एवं संसद को अवरुद्ध करने का तरीका अपनालेता है, उससे लोकतंत्र की मर्यादाएं एवं गरिमा तार-तार हो रही है। बजट सत्र को इस तरह से हंगामेदार तो होना ही था, लेकिन बड़ा प्रश्न है कि देश का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच कब तक बाधित होता रहेगा, संवाद और विमर्श के लिए उपयुक्त पात्रता कब सामने आयेगी। मानो दलों ने प्रण कर लिया है कि वह किसी भी सत्र को सुगम तरीके से नहीं चलने देगा। उसने न बेहतर सुझाव दिये हैं, न ही बुनियादी मुद्दों को उठाया है और न ही स्वच्छ आलोचनात्मक रुख अपनाकर सरकार का सहयोग किया है। संसद में नारेबाजी, अध्यक्ष की आसंदी तक जाकर हंगामा आदि सदस्यों की आदत बन गई है। इसी वजह से लोकसभा अध्यक्ष को भी कहना पड़ता है कि 'जनता सब देख रही है। लगातार संसदीय अवरोध का कायम रहना लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। लोकतंत्र में संसदीय अवरोध जैसे उपाय किसी भी समस्या का समाधान नहीं कर सकते। कहीं कोई स्वयं शेर पर सवार हो चुका है तो कहीं किसी नेवले ने सांप को पकड़ लिया है। न शेर पर से उतरते बनता है, न सांप को छोड़ते बनता है। यह स्थिति देश के लिये नुकसानदायी है। देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार सत्तारुढ़ होने के बाद से विपक्ष हंगामे पर उतारू है।

हालांकि जब कांग्रेस-नीत गठबंधन थी तब भाजपा विपक्ष में थी वह भी ऐसे ही विरोध करके संसद का समय खराब करती थी। विरोध देशहित नहीं है, स्वहित है। जब से हिंडनबर्ग का सर्वेक्षण आया है, विपक्ष के निशाने पर सरकार को लाने के लिये हंगामे खड़े कर दिये हैं। विपक्षी दलों की मांग है कि इस मामले में सरकार जवाब दे। इस हंगामे के चलते संसद का बजट सत्र बार-बार स्थगित करना पड़ा। कामकाज बाधित रहे। इस मसले पर स्वस्थ चर्चा का माहौल बनना चाहिए, न कि हंगामे खड़े करके देश की संसद को अकर्मण्य एवं निस्तेज बना दिया जाये। संसद में उठाने के लिए विपक्ष के पास और मुद्दे भ हैं। हो सकता है सरकार की अडाणी या अन्य मामलों में विफलताएं रही हों, लेकिन देश की समस्याएं भी अनेक हैं, विकास के अनेक मुद्दे हैं, क्यों नहीं विपक्ष उन पर चर्चा करता। संसदीय अवरोध कोई लोकतांत्रिक तरीका नहीं है, उससे हम प्रतिपल देश की अमूल्य धन-सम्पदा एवं समय-सम्पदा को खोते हैं। जिनकी भरपाई मुश्किल है। इसके साथ ही राजनीतिक मूल्य, भाईचारा, सद्भाव, लोकतंत्र के प्रति निष्ठा, विश्वास, करुणा यानि कि जीवन मूल्य भी खो रहे हैं। मूल्य अक्षर नहीं होते, संस्कार होते हैं, आचरण होते हैं। उन्माद, अविश्वास, राजनैतिक अनैतिकता, गैरजिम्मेदाराना व्यवहार, दमन एवं संदेह का वातावरण उत्पन्न हो गया है। उसे शीघ्र कोई दूर कर सकेगा, ऐसी सम्भावना दिखाई नहीं देती। ऐसी अनिश्चय, आशंका और भय की स्थिति किसी भी राष्ट्र के लिए संकट की परिचायक है। विशेषत: लोकतंत्र के लिये दुर्भाग्यपूर्ण है। देश की सियासत को धर्मों में बांटने की कोशिशें की जा रही हैं। सियासत में ध्रुवीकरण की राजनीति जमकर हो रही है। मुस्लिम समाज अपनी गलतफहमियों को दूर करे। यद्यपि संविधान में सभी को अपना धर्म मानने और प्रचार करने की आजादी दी गई है।

### सशक्त मुद्दों को उठाकर मजबूत हो सकता है विपक्ष

**विपक्ष सशक्त मुद्दों को उठाकर, शालीन एवं शिष्टता का परिचय देकर न केवल स्वयं को मजबूती दे सकता है, बल्कि असंख्य जनता का विश्वासपात्र भी बन सकता है, लेकिन ऐसा न होना विडम्बनापूर्ण है। संसद के कामकाज में बाधा डालकर विपक्ष न केवल अपने को कमजोर साबित कर रहा है बल्कि भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद को भी खोखला कर रहा है। अच्छा होता अगर वह संसद का इस्तेमाल सरकार से तीखे सवाल करने के लिए करता, अडानी मुद्दे में सरकार की अतियों को खोजता, आम जनता से जुड़ मुद्दों पर सरकार की विफलता को उजागर करता, सरकार की नीतियों को सशक्त बनाने में सार्थक बहस करने में करता। उसके पास इसके लिए मुद्दों की कमी नहीं हैं। खासतौर पर अत्यवस्था, बेरोजगारी, भारत-चीन विवाद, जातीय जनगणना, बढ़ती महंगाई, गिरती कानून व्यवस्था आदि कई मुद्दों पर सार्थक संसदीय बहस के द्वारा विपक्ष स्वयं को जिम्मेदार होने का अहसास कराता। विपक्ष को इन मुद्दों पर सरकार को घेरना चाहिए था। सदन की गरिमा अक्षुण्ण रखना विपक्ष का भी दायित्व है। लोकसभा कुछ स्तम्भों पर टिकी एक सुन्दर ईमारत ही नहीं है, यह एक अरब तीस करो? जनता के दिलों की ध?कन है। उसके एक-एक मिनट का सदुपयोग हो। वहां शोर, नारे और अव्यवहार न हो, अवरोध पैदा नहीं हो। ऐसा होना निर्धन जन और देश के लिए हर दृष्टि से महंगा सिद्ध होता है।**

# सरकारों को अपराधों पर लगाना होगा अंकुश

### » राजनैतिक इच्छाशक्ति की कमी से नहीं लागू हो पाते कानून

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। अपराधों पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है। किसी भी राज्य की कानून व्यवस्था दुरुस्त रहे इसको देखने का काम उस प्रदेश की सरकार का है। पर अमूमन देखने को मिलता है सरकारें कानून व्यवस्था जब बिगड़ती है तो केंद्र व राज्य दूसरे पर ठीकरा फोड़ देते हैं और किनारा कर लेते हैं। इस तरह अपनी जवाबदेही से बचना किसी भी सरकार के लिए उचित नही है। सरकार के साथ ही समाज व परिवार को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए दबाव बनाना होगा।**

साल 2021 में देश के विभिन्न सेशन कोर्टों ने 144 दोषियों को मौत की सजा सुनाई। वहीं विभिन्न हाई कोर्टों ने 6 मामलों में मौत की सजा सुनाई। इसके अलावा 29 दोषी ऐसे थे जिनकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया गया था। नालंदा के न्यायाधीश ने बीमार मां के खाने और दवाई के लिए चोरी करने वाले युवक को सजा मुक्त कर दिया। इतना ही नहीं अदालत ने युवक को कपड़े, राशन और अन्य आवश्यक वस्तुएं मुहैया कराने के भी आदेश दिए। ये मामला बताता है कि अपराध चाहे छोटा हो या बड़ा, उसकी जड़ में कौन-सी समस्याएं हैं। इन समस्याओं का समाधान किए बगैर अपराध मुक्ति की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। सारा दोष अपराधी के माथे पर मढ़ कर सरकारें अपराध के असली कारणों के निदान करने की बजाय अपनी जिम्मेदारी से भाग रही हैं।

### फांसी का भी नहीं होता है डर

अपराधी अपराध करने से पहले क्या यह नहीं जानते कि जघन्य अपराधों के लिए फांसी की सजा हो सकती है। दूसरा बड़ा सवाल यह है कि पूर्व में फांसी दिए जाने के मामलों के बाद भी ऐसे गंभीर अपराध क्यों होते हैं। अपराधियों को फांसी दिए जाने के बावजूद दूसरे लोग इससे सबक क्यों नहीं सीखते। निर्भया हत्याकांड के बाद पूरे देश में भूचाल आ गया था। इसके बाद देश के कानूनों को संशोधित करके कठोर और व्यापक बनाया गया। इसके बाद भी देश में बलात्कार और बलात्कार के साथ हत्या के मामलों में कमी नहीं आई। हाथरस कांड हो या दूसरे बलात्कार और हत्या के मामले, यह सब आए दिन सुर्खियों में आते रहते हैं। लॉ यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि जिन 165 लोगों को मृत्युदंड की सजा से दंडित किया गया, उनमें से हर तीसरा शख्स यौन अपराधों से जुड़ा हुआ है। इससे जाहिर है कि यौन अपराधों के प्रति आपराधिक मानसिकता के लोगों में भय व्याप्त नहीं है। सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती हुई जनसंख्या, मौजूदा सूचना-प्रौद्योगिकी के निरंतर बढ़ते दुरुपयोग, कमजोर पड़ते सामाजिक और पारिवारिक बंधन और भौतिकता की चकाचौंध सामान्य से लेकर गंभीर प्रकृति के अपराधों के लिए काफी हद तक जिम्मेदार है। मोबाइल संस्कृति के पनपने से विशेष कर किशोर और युवाओं में यौन भावनाओं को लेकर कुंठित करने का काम किया गया है। इसके अलावा नशीले पदार्थों के सेवन की निरंतर बढ़ रही सामाजिक और पारिवारिक स्वीकार्यता ने अपराधों के लिए आग में घी का काम किया है। शराब की कुसंस्कृति ने सामाजिक ताने-बाने को सर्वाधिक नुकसान पहुंचाया है। सरकारों के लिए शराब राजस्व का बड़ा और स्थायी स्त्रोत बन गई हैं। इस बुराई से न केवल मानसिक बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। सरकारों ने टैक्स की कमाई के कारण कैंसर की तरह फैलती जा रही इस बुराई से आंखें फेर रखी हैं। यह निश्चित है कि केवल अपराधों के लिए दंड का प्रावधान मात्र कर देने से अपराधों को घटित होने से नहीं रोका जा सकता। इसके लिए न सिर्फ कानून के बल्कि देश के असंतुलित विकास के ढांचे में आमूल-चूल परिवर्तन करना होगा।

## अदालतों ने साल 2022 में 165 लोगों को मौत की सजा सुनाई

भारत में मृत्युदंड वार्षिक सांख्यिकी रिपोर्ट -2022 के मुताबिक निचली अदालतों ने साल 2022 में 165 लोगों को मौत की सजा सुनाई है। सबसे अधिक मौत की सजा उत्तर प्रदेश में (100 दोषियों को) सुनाई गई। वहीं, गुजरात में 61, झारखंड में 46, महाराष्ट्र में 39 और मध्य प्रदेश में 31 दोषियों को मौत की सजा सुनाई गई है। मामला बेशक मृत्युदंड का हो किन्तु यह रिपोर्ट कहीं न कहीं देश के इन राज्यों के विकास की धुंधली तस्वीर भी दर्शाती है। गुजरात और महाराष्ट्र को अपवाद स्वरूप छोड़ दें तो जिन राज्यों में मृत्युदंड की सजा देने के मामले बढ़े हैं, वे ज्यादातर बीमारू राज्य की श्रेणी में आते हैं। बीमारू राज्य से तात्पर्य उन राज्यों से है जोकि विकास के मामले में सर्वाधिक पिछड़े हुए हैं।

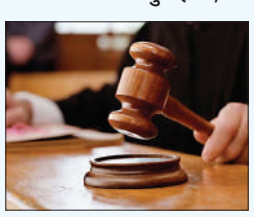

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2021 में देश के विभिन्न सेशन कोर्टों ने 144 दोषियों को मौत की सजा सुनाई। वहीं विभिन्न हाई कोर्टों ने 6 मामलों में मौत की सजा सुनाई। इसके अलावा 29 दोषी ऐसे थे जिनकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया गया था। इन दोषियों को ट्रायल कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई थी, फिर दोषियों ने हाईकोर्ट में अपील की, जिसके बाद सजा में बदलाव हुआ। वहीं पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने किसी को भी मौत की सजा नहीं सुनाई है। जुर्म साबित हो जाने के बाद मौत की सजा वाले अपराधों से जुड़े मामलों में सजा सुनाना वाकई एक जटिल समस्या है। ट्रायल कोर्ट के जजों को यह फैसला लेना होता है कि क्या सिर्फ मौत की सजा ही न्याय के उद्देश्यों को पूरा करेगी या फिर आजीवन कारावास काफी होगा। एक उचित मानदंड के रूप में, सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्धारित किया है कि सिर्फ दुर्लभतम में से दुर्लभ मामलों में ही मौत की सजा दी जा सकती है। बाद के फैसलों में इस सिद्धांत को पुष्ट करने की कोशिश की गई है कि किसी मामले को %दुर्लभतम में से दुर्लभ% श्रेणी का मानने का एकमात्र मानदंड अपराध की भीषण प्रकृति नहीं हो सकती है। अपराधी, उसकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि और उसकी मानसिक स्थिति भी इस संबंध में प्रमुख कारक हैं।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# बाल विवाह विरोधी मुहिम अनुचित

*पिछले दिनों असम में बाल विवाह के खिलाफ राज्य सरकार की कार्रवाई पर गुवाहाटी हाईकोर्ट ने बेहद तीखी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा है कि सरकार के इस अभियान ने लोगों की निजी जिंदगी तबाह कर दी है। बाल विवाह के खिलाफ असम सरकार के हाल में शुरू किए गए अभियान पर गुवाहाटी हाईकोर्ट ने बेहद तल्ख, मगर जायज टिप्पणी की है। हालांकि शादी के उम्र के एक मामले में सुप्रीमकोर्ट ने यह फैसला दिया है इस कानून बनाने का अधिकार केवल संसद को ही है। असम हाईकोर्ट ने ठीक ही कहा कि इस अभियान ने लोगों की निजी जिंदगी में तबाही ला दी है। राज्य में बड़े पैमाने पर हो रही गिरफ्तारी के मद्देनजर हाईकोर्ट का यह कहना महत्वपूर्ण है कि इन मामलों में हिरासत में पूछताछ की कोई जरूरत ही नहीं है। इसी महीने की तीन तारीख से शुरू किए गए इस अभियान के तहत पिछले करीब एक पखवाड़े में 3000 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।*

*कई मामलों में बाल विवाह करने वाले आरोपियों के न मिलने की स्थिति में पुलिस परिवार के दूसरे सदस्यों को पकड़ रही है। पुलिस का कहना है कि वह उन्हीं रिश्तेदारों को पकड़ रही है, जिनकी बाल विवाह कराने में भूमिका रही है। लेकिन व्यवहार में यह हो रहा है कि लोगों को पता ही नहीं कि पुलिस किसे उठा ले जाएगी। इस वजह से परिवार में एक भी बाल विवाह हुआ हो तो तमाम रिश्तेदार छुपते फिर रहे हैं। गिरफ्तारी के बाद कई प्रभावित परिवारों में कोई कमाने वाला नहीं रह गया है। कई मामलों में मां हिरासत में चली गई तो बच्चों पर ही छोटे भाई-बहनों का ख्याल रखने की जिम्मेदारी आ गई है। और यह सब क्यों? सरकार भी मान रही है कि चाहे जितने लोगों को गिरफ्तार कर लिया जाए, ये शादियां वैध बनी रहेंगी। इन शादियों को निरस्त करने का इस कानून (प्रॉहिबिशन ऑफ चाइल्ड मैरिज एक्ट 2006) में बताया गया एकमात्र रास्ता यह है कि शादी के समझौते में पार्टी रहा कोई पक्ष जो शादी के समय नाबालिग रहा हो, जिला अदालत में ऐसी याचिका दायर करे। जिन लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है और जो इस गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, उनमें से कोई तो ऐसी अर्जी देने से रहा। हालांकि इन बातों का मतलब बाल विवाह की इस कुरीति का बचाव करना नहीं है। सवाल सिर्फ यह है कि इसे समाप्त करने का सबसे अच्छा तरीका क्या हो सकता है। पूरे देश की बात करें तो नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के आंकड़ों के अनुसार 1992-93 में 20 से 24 साल उम्र की विवाहित महिलाओं में 54 फीसदी की शादी 18 साल से कम उम्र में हुई होती थी। यह अनुपात 2005-06 तक 47 फीसदी और 2019-21 तक 23 फीसदी पर आ गया।*

**आखिर, बाल विवाह को रोकने के लिए पहले से कानून है, उसके बाद भी यह समस्या बनी हुई है। यानी सिर्फ कानून से इस मर्ज को दूर नहीं किया जा सकता। एक्सपर्ट्स कहते भी रहे हैं कि शिक्षा और आर्थिक विकास के साथ ऐसी शादियों का चलन कम होता जाता है। बेहतर होगा असम सरकार भी इन्हीं उपायों को अपनाए, जिनके पहले अच्छे नतीजे मिल चुके हैं।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# सिद्धांतवादी राजनीति की हो ईमानदार कोशिश

विश्वनाथ सचदेव

राजनीति को अक्सर संभावनाओं का खेल कहा जाता है। इसका एक अर्थ यह भी है कि 'सत्ता' के लिए राजनीति में कुछ भी हो सकता है। वस्तुत: कहा जाना चाहिए कुछ भी किया जा सकता है। देश की राजनीति की बात करें तो आज केंद्र में भाजपा की जमी-जमायी सरकार है और वर्तमान स्थितियों के आकलन को देखते हुए आगामी आमचुनाव में, यानी वर्ष 2024 में होने वाले चुनाव में भाजपा के ही आगे रहने के आसार दिखाई दे रहे हैं। अब तक के सारे सर्वेक्षण यही बता रहे हैं कि भाजपा की स्थिति कुछ कमजोर अवश्य हो सकती है, पर सत्ता पर उसकी पकड़ बनी रहेगी। इस तरह के राजनीतिक आकलन हमेशा सही ही हों, ऐसा नहीं है। सर्वेक्षण अक्सर गलत भी साबित होते रहे हैं। वास्तविकता तो चुनाव-परिणाम आने के बाद ही सामने आयेगी, पर स्थितियों को देखते हुए राजनीतिक समीकरण और गणित के खेल तो चल ही रहे हैं। इसी खेल का हिस्सा है विपक्षी एकता की कोशिशें। माना यह जा रहा है कि भाजपा को हराने या भाजपा से मुकाबले का एक ही तरीका है— भाजपा-विरोधी दल एकजुट होकर भाजपा को सत्ता से बाहर करने की कोशिश करें।

यह एकजुट होने वाली स्थिति भी देश में पहली बार नहीं बनी है। कभी कांग्रेस से मुकाबले के लिए राजनीतिक दल इस तरह की रणनीतियां बनाया करते थे, आज कांग्रेस आह्वान कर रही है कि विरोधी-पार्टियां मिलकर भाजपा को हराने की कोशिश करें। लगभग आधी-सदी पहले, सही कहें तो वर्ष 1967 में समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया ने पहली बार गैर-कांग्रेसवाद का नारा दिया था, अर्थात् देश के राजनीतिक दलों से कहा था, वे मिलकर कांग्रेस पार्टी की 'गलत रीति-नीति' का विरोध करें। ऐसा हुआ और लगभग नौ राज्यों में कांग्रेस को मुंह की खानी पड़ी थी। फिर जब कांग्रेस ने आपातकाल की घोषणा करके जनतंत्र को पटरी से उतारा तो जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में, वर्ष 1977 में, जनता पार्टी का गठन हुआ था, जिसमें कांग्रेस पार्टी का विरोध करने वाले लगभग सभी दल शामिल हुए थे। पिछले लगभग दस साल से केंद्र में भारतीय जनता पार्टी का शासन है, देश के अधिसंख्य राज्यों में भी भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारें हैं।

सत्तारूढ़ दल को हराने के लिए एकबार फिर विपक्ष के एकजुट होने का नारा दिया जा रहा है। हो सकता है इस नारे का कुछ असर हो, हो सकता है कुछ राज्यों में भाजपा की वर्तमान सरकारों को मुंह की खानी पड़े। यह भी हो सकता है कि विपक्षी एकता के

सामने केंद्र में सत्तारूढ़ दल की स्थिति कमजोर हो जाये। पर यह संभावनाओं का ही खेल है। आज जो स्थिति है वह यह है कि विपक्षी दल किसी एक रणनीति पर एकमत नहीं हो पा रहे हैं। सच पूछें तो सवाल नीति का है ही नहीं, सवाल अलग-अलग नेताओं की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का है। बिहार में नीतीश कुमार नेतृत्व का दावा कर रहे हैं तो बंगाल में ममता बनर्जी। दक्षिण में तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव ने अखिल भारतीय पार्टी बनाकर अपना नाम अखाड़े में उछाल दिया है तो 'आप' पार्टी के अरविंद केजरीवाल भी ऊंचे सपने देख रहे हैं। वैसे अलग-अलग नेताओं की इस दावेदारी में न तो कुछ अस्वाभाविक है और न ही गलत। राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं पालना भी गलत नहीं है और राजनीति की बिसात पर अपनी गोटियां खेलना भी स्वाभाविक है। लेकिन देश की राजनीतिक स्थिति को देखते हुए यह सवाल तो उठता ही है कि सिर्फ सत्ता से किसी को हटाने के लिए या स्वयं सत्ता में आने के लिए सिद्धांतहीन गठबंधन जनतांत्रिक मूल्यों की दृष्टि से कितने उचित हैं? वर्ष 1967 में और फिर 1977 में, दो बार, देश में ऐसे गठबंधन के प्रयोग हम देख चुके हैं। विपक्ष के सभी दलों का साथ आना तब एक राजनीतिक आवश्यकता थी। इसका परिणाम भी निकला, पर ज्यादा दिन तक चल नहीं पाया यह प्रयोग। सच तो यह है कि कुल मिलाकर प्रयोग अवसरवादी राजनीति का ही उदाहरण बन कर रह गये। फिर हमने अलग-अलग राज्यों में इस घटिया राजनीति के प्रयोग देखे। कभी राजनीतिक दलों ने अनैतिक समझौते किये और कभी महत्वाकांक्षी राजनेताओं ने। राजनीति के इस घटिया खेल में रातोंरात नेताओं की आस्थाएं पलटती रहीं। नेताओं के राजनीतिक स्वार्थ भले ही इस खेल में सधते रहे हों, पर जनतांत्रिक मूल्यों-आदर्शों की तो ऐसे हर प्रयोग में हार ही हुई है।

सवाल उठता है देश की राजनीति को सुधारने के लिए ऐसा कोई प्रयोग कैसे हो जो जनतांत्रिक मूल्यों के भी अनुरूप हो? इस सवाल का जवाब यही है कि गठबंधन कुर्सी के लिए नहीं, मूल्यों के लिए हों। त्रासदी यह है कि यह काम असंभव की हद तक मुश्किल लग रहा है। त्रासदी यह भी है कि शानदार जनतांत्रिक परंपराओं के बावजूद हमारे देश में राजनीति का आधार अक्सर अवसरवादी रहा है। सत्ता की राजनीति के बजाय मूल्यों-सिद्धांतों की राजनीति की मांग मतदाता को ही करनी होगी। तभी बात बनेगी।

# मानसिक विकास के लिए मां का दूध है मातृभाषा

डॉ. सौरभ मालवीय

मातृभाषा के लिए कहा गया है कि कोस-कोस पर पानी बदले, तीन कोस पर वाणी। लोग बचपन में स्थानीय भाषा में कहानियां सुनते हैं, जो उन्हें आजीवन याद रहती हैं। स्थानीय बोलचाल व्यक्ति को स्थान विशेष से जोड़कर रखती है। मातृभाषा का चिंतन हमें हमारे मूल्यों से जोड़ता है। मातृभाषा व्यक्ति के मानसिक विकास के लिए बहुत आवश्यक है। मातृभाषा में ही विचारों का प्रवाह हो सकता है, जो किसी अन्य भाषा में संभव नहीं है। कोई भी व्यक्ति अपनी मातृभाषा में अपने विचारों को सरलता से व्यक्त करने में सक्षम होता है, क्योंकि वह सदैव अपनी मातृभाषा में ही विचार करता है। इसलिए उसे मातृभाषा में कोई भी विषय समझने में सुगमता होती है, जबकि किसी अन्य भाषा में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। मातृभाषा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है वहीं वह उसे उसकी संस्कृति से जोड़ने में सक्षम होती है। मातृभाषा के जरिये व्यक्ति को अपनी मूल संस्कृति एवं संस्कारों का ज्ञान होता है वहीं अपने समाज से भी जुड़ा रहता है। मसलन, किसी की मातृभाषा भोजपुरी है, तो वह व्यक्ति उन लोगों से मिलकर अपनत्व का अनुभव करेगा, जो भोजपुरी बोलते हैं। लोग दैनिक जीवन में अपनी मातृभाषा ही बोलते हैं।

भारत ही नहीं, अपितु विश्व भर के विद्वान मातृभाषा में शिक्षा प्रदान किए जाने को महत्व देते हैं। शिक्षा शास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों का मत है कि मातृभाषा में सोचने से, विचार करने से, चिंतन मनन करने से बालकों में बुद्धि तीक्ष्ण होकर कार्य करती है। संवाद की सुगम भाषा मातृभाषा है। मातृभाषा व्यक्ति के आत्मिक लगाव, विश्वास मूल्य और संबंध मूल्य को मजबूत करती है। सीवी रमन के अनुसार, 'विज्ञान की शिक्षा मातृभाषा में देनी चाहिए, अन्यथा विज्ञान एक छद्म कुलीनता और अहंकारभरी गतिविधि बनकर रह जाएगा। ऐसे में विज्ञान के क्षेत्र में आम लोग कार्य नहीं कर पाएंगे।' भारतेंदु हरिश्चंद्र के मुताबिक, निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटे न हिय के सूल।' अर्थात मातृभाषा की उन्नति के बिना किसी भी समाज की उन्नति संभव नहीं है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी मातृभाषा के महत्व से भली-भांति परिचित थे। वे कहते थे, 'मनुष्य के मानसिक विकास के लिए मातृभाषा उतनी ही जरूरी है, जितना कि बच्चे के शारीरिक विकास के लिए माता का दूध। बालक पहला पाठ अपनी माता से ही पढ़ता है, इसलिए उसके मानसिक विकास के लिए उसके ऊपर मातृभाषा के अतिरिक्त कोई दूसरी भाषा लादना मैं मातृभूमि के विरुद्ध पाप समझता हूं।' विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट से भी यह सिद्ध होता है कि अपनी मातृभाषा में चिकित्सा एवं विज्ञान आदि विषयों में पढ़ाई करवाने वाले देशों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था बहुत अच्छी स्थिति में है। चीन, जर्मनी, फ्रांस एवं जापान आदि देश अपनी मातृभाषा में ही शिक्षा प्रदान कर रहे हैं एवं उन्नति के शिखर छू रहे हैं। यदि स्वतंत्रता के पश्चात हमारे देश में भी क्षेत्रीय भाषाओं में चिकित्सा, विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा प्रदान की जाती तो और ज्यादा तेजी से तरक्की होती। परन्तु अब भी समय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी देश की क्षेत्रीय भाषाओं को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्थानीय भाषाओं को अत्यंत महत्व दिया जा रहा है। देश में हिंदी में चिकित्सा की पढ़ाई प्रारंभ होना इसी दिशा में उठाया गया कदम है। इससे लाखों छात्र अपनी भाषा में अध्ययन कर सकेंगे तथा उनके लिए कई नए अवसरों के द्वार भी खुलेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि मां और मातृभाषा मिलकर जीवन को मजबूती प्रदान करते हैं। प्रधानमंत्री के मुताबिक, आजादी के 75 साल बाद भी कुछलोग ऐसे द्वन्द्व में हैं जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर संकोच होता है। मातृभाषा को गर्व के साथ बोला जाना चाहिए और हमारा देश तो भाषाओं के मामले में बेहद समृद्ध है। भाषा, केवल अभिव्यक्ति का ही माध्यम नहीं, बल्कि समाज की संस्कृति और विरासत को भी सहेजती है। इस विज्ञान को समझते हुए ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्थानीय भाषा में पढ़ाई पर जोर दिया गया है। आजकल बच्चे अपनी मातृभाषा में गिनती नहीं करते, अपितु अंग्रेजी में गणना करते हैं। अंग्रेजी का ज्ञान भी प्राप्त करना चाहिए, क्योंकि यह भी समय की मांग है। किन्तु अपनी मातृभाषा को तुच्छ समझना उचित नहीं है।

दरअसल, माता-पिता भी बच्चों को अपनी मातृभाषा की बजाय अंग्रेजी में बात करते हुए देखकर प्रसन्न होते हैं। वे अपने बच्चों को इसके लिए प्रोत्साहित करते हैं। ऐसा करने से बच्चे भी अंग्रेजी को उच्च मानने लगते हैं व मातृभाषा तुच्छ लगने लगती है। वे अपनी संस्कृति से भी दूर होने लगते हैं। हमारे विशाल भारत देश में अनेक भाषाएं हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में 121 भाषाएं तथा 1369 मातृभाषाएं हैं। वर्ष 2001 की जनगणना की तुलना में 2011 में हिंदी को अपनी मातृभाषा की वाले लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है। वर्ष 2001 में 43.03 प्रतिशत लोगों ने हिंदी को अपनी मातृभाषा बताया था, जबकि 2011 में 43.6 प्रतिशत लोगों ने हिंदी को अपनी मातृभाषा बताया। मातृभाषा के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन के अनुसार मातृभाषा को बढ़ावा देने से न केवल सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा मिलता है। अपितु जातीय परंपराओं और भाषा विज्ञान पर भी अधिक ध्यान पैदा होता है।

## सेब

बच्चे को सेहतमंद रखने के लिए आप रोजाना सुबह में सेब खाने के लिए दें। इस फल में आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम और जिंक जैसे आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इसके सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। साथ ही आंखों की रोशनी बढ़ती है।

## अमरूद

अमरूद वजन को नियंत्रण में रखने में मददगार है। अमरूद में फाइबर काफी अच्छी मात्रा में होता है, ऐसे में अगर इसे सुबह खाली पेट खाया जाए तो इससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। साथ ही आप ओवरइटिंग से भी बचते हैं। इससे वजन नियंत्रण में रहता है, वजन कम करने में भी मदद मिलती है। आजकल की खराब लाइफस्टाइल कई बीमारियों का कारण बनती है। इन्हीं में कब्ज मुख्य है। खाली पेट अमरूद खाने से कब्ज की समस्या में आराम मिलता है। अमरूद में मौजूद फाइबर मल को नरम बनाता है, इससे मल आसानी से निकल जाता है। अनहेल्दी इटिंग हैबिट्स का सबसे ज्यादा असर हमारे पाचन तंत्र पर पड़ता है। इससे पाचन कमजोर होने लगता है, धीरे-धीरे कई समस्याएं पैदा होने लगती हैं। ऐसे में खाली पेट अमरूद खाना लाभदायक होता है।

# बच्चों की सेहत का रखें ख्याल



## रोजाना खाने को दें ये चीजें

## केला

अगर आप अपने बच्चे को सेहतमंद रखना चाहते हैं, तो उन्हें रोजाना खाली पेट केला खाने के लिए दें। केले के सेवन से वजन बढ़ता है। साथ ही हड्डियां और इम्युनिटी मजबूत होती हैं। केले में कार्बोहाइड्रेट, जिंक, सोडियम और आयरन प्रचुर मात्रा में होता है। आप चाहे तो दूध में केले को मैश कर भी दे सकते हैं।

सर्दी का मौसम अब जाने को है, इसी के साथ वातावरण में भी पूरी तरह से बदलाव आना शुरू हो गया है। जहां दिन में गर्मी तो रात को सर्दी महसुस होती है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में ज्यादा अंतर होने शरीर खुद को इस अनुसार आसानी से ढाल नहीं पाता। ऐसा बदलता मौसम किसी को भी बीमार कर सकता है। खान-पान या फिर गर्म कपड़े पहनने को लेकर की गई लापरवाही की असर सीधा सेहत पर पड़ता है। इसके लिए सेहत पर विशेष ध्यान देना पड़ता है। खासकर, बच्चों के लिए यह और कठिन है। चूंकि, बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होती है। इस वजह से मौसम बदलने के साथ ही बच्चे बीमार पड़ने लगते हैं। इस बचाव के लिए बच्चों की डाइट और लाइफस्टाइल पर पैनी नजर रखें। अगर आप भी अपने बच्चे को सेहतमंद रखना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट उन्हें ये चीजें खाने के लिए जरूर दें।

## बच्चों में दूध के हेल्थ बेनिफिट्स

बच्चों के लिए दूध कैल्शियम का सबसे बेहतरीन सोर्स माना जाता है, नियमित दूध का सेवन करने से उनकी हड्डियां मजबूत होती है, उनके दांत सही रहते हैं। आजकल ब्लड प्रेशर की समस्या बड़ों के साथ छोटे बच्चों को भी प्रभावित कर रही है। ऐसे में उन्हें इस गंभीर परेशानी से बचाए रखने के लिए दूध देना बेहद जरूरी है। बच्चों को सही डाइट के साथ कम से कम 2 बार दूध देना चाहिए। बच्चों के लिए दूध एक संपूर्ण आहार का काम करता है, जिसमें कैल्शियम, प्रोटीन, फॉस्फोरस, पोटेशियम, विटामिन डी, विटामिन बी 12 और विटामिन ए जैसे सभी जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं।

## बादाम

बादाम सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इसमें प्रोटीन, आयरन, फाइबर, विटामिन ई होता है। इसके सेवन से याददाश्त बढ़ती है। साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है। इसके लिए बच्चों को रोजाना खाली पेट भिगोया हुआ बादाम खाने के लिए दें।

## जैम

बच्चों को सेहतमंद रखने में आंवला अहम भूमिका निभा सकता है। इसमें कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम और विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसके सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। साथ ही आंखों की रोशनी बढ़ती है। वहीं, हाजमा भी दुरुस्त रहता है। इसके लिए रोजाना बच्चों को खाली पेट आंवले का जैम खाने के लिए दें। इससे बदलते मौसम में होने वाली बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है।



## हंसना मना है

गर्लफ्रेंड- कॉल पर... मेरे बाबू ने थाना थाया, मम्मी- तेरे बाबू ने थाना नहीं... चार-पांच बेलन खाएं हैं...चल फोन रख।

पिंकू डॉक्टर के पास गया.. पिंकू: डॉक्टर साहब एक समस्या है। डॉक्टर: क्या परेशानी है? पिंकू: जब मैं किसी से बात करता हूं तो वो इंसान मुझे दिखता नहीं। डॉक्टर: ऐसा कब होता है? पिंकू: फोन पर बात करते वक्त। डॉक्टर: भाग जा यहां से, वरना तू इस धरती पर नहीं दिखेगा।

पति: शादी के समय सात फेरे लेते वक्त तुमने वचन दिया था और स्वीकार किया था कि मेरी इज्जत करोगी, मेरी सब बात मानोगी... पत्नी: तो क्या इतने लोगों के सामने तुमसे बहस करती।

मां: बेटा क्या कर रहे हो? बेटा: पढ़ रहा हूं मां.. मां: शाबाश! क्या पढ़ रहे हो? बेटा: आपकी होने वाली बहु के एसएमएस। फिर क्या था चप्पल के साथ ही दे थप्पड़, दे थप्पड़!

पिता: पढ़ ले नालायक, कभी तूने अपनी कोई बुक खोलकर भी देखी है। बेटा- हां पापा देखी है, बल्कि रोज देखता हूं उसे। पिता- कौन सी बुक पढ़ने लगा है तू? बेटा- फेसबुक। फिर क्या था हो गई जूते से कुटाई।

## कहानी | बोलने वाली गुफा

बहुत पुरानी बात है, एक घने जंगल में शेर रहता था। उससे जंगल के सभी जानवर थर-थर कांपते थे। वह हर रोज जंगल के जानवरों का शिकार करता और अपना पेट भरता था। एक दिन वह पूरा दिन जंगल में भटकता रहा, लेकिन उसे एक भी शिकार नहीं मिला। भटकते-भटकते शाम हो गई और भूख से उसकी हालत खराब हो चुकी थी। तभी उस शेर को एक गुफा दिखी। शेर ने सोचा कि क्यों न इस गुफा में बैठकर इसके मालिक का इंतजार किया जाए और जैसे ही वो आएगा, तो उसे मारकर वही अपनी भूख मिटा लेगा। यह सोचते ही शेर दौड़कर उस गुफा के अंदर जाकर बैठ गया। वह गुफा एक सियार की थी, जो दोपहर में बाहर गया था। जब वह रात को अपनी गुफा में लौट रहा था, तो उसने गुफा के बाहर शेर के पंजों के निशान देखे। यह देखकर वह सतर्क हो गया। उसने जब ध्यान से निशानों को देखा, तो उसे समझ आया कि पंजे के निशान गुफा के अंदर जाने के हैं, लेकिन बाहर आने के नहीं हैं। अब उसे इस बात का विश्वास हो गया कि शेर गुफा के अंदर ही बैठा हुआ है। फिर भी इस बात की पुष्टि करने के लिए सियार ने एक तरकीब निकाली। उसने गुफा के बाहर से ही आवाज लगाई, अरी ओ गुफा! क्या बात है, आज तुमने मुझे आवाज नहीं लगाई। रोज तुम पुकारकर बुलाती हो, लेकिन आज बड़ी चुप हो। ऐसा क्या हुआ है? अंदर बैठे शेर ने सोचा, हो सकता है यह गुफा रोज आवाज लगाकर इस सियार को बुलाती हो, लेकिन आज मेरे वजह से बोल नहीं रही है। कोई बात नहीं, आज मैं ही इसे पुकारता हूं। यह सोचकर शेर ने जोर से आवाज लगाई, आ जाओ मेरे प्रिय मित्र सियार। अंदर आ जाओ। इस आवाज को सुनते ही सियार को पता चल गया कि शेर अंदर ही बैठा है। वो तेजी से अपनी जान बचाकर वहां से भाग गया।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** – आज दिन की शुरूआत अच्छी होगी। छात्रों को आज कोई शुभ सूचना मिलने वाली है। जिससे करियर में बदलाव आयेगा। नियमित खान-पान पर ध्यान देनने की आवश्यकता है।

**वृषभ** – आज कुछ भी हो अपने कार्यालय व सार्वजनिक स्थान पर झगड़ा करने से बचें। आप बस अपने गुस्से पर काबू रखें और परेशानी से बचें। आपके कार्य की सराहना होगी।

**मिथुन** – आज आप में से कुछ की रचनात्मकता चरम सीमा पर होगी। धन संबंधी मामलों को समझदारी से निपटाया जाना चाहिए। प्रेम संबंध में कड़वाहट आ सकती है।

**कर्क** – आज का दिन लाभ देने वाला है। इस राशि के लोगों को आज धन की प्राप्ति हो सकती है। परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा।आज आपको अधिक प्रेम और सम्मान मिलेगा।

**सिंह** – आज कोई भी फैसला हड़बड़ाहट में न लें। आप आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको भाई-बहनों के द्वारा मदद मिलेगी। आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे।

**कन्या** – आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे और कुछ महंगी चीजें की खरीदारी भी कर सकते हैं। भूमि में निवेश भी संभव है। व्यावसायिक रूप से दिन शुभ है।

**तुला** – आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आज आप किसी बात को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे।आज आपको किसी अपने से धन की प्राप्ति होगी।

**वृश्चिक** – अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की जरूरत है। विरोधी व प्रतिद्वंदी नरम पड़ेंगे। धन, यश और कीर्ति में वृद्धि होगी।

**धनु** – आज आय अच्छी रहेगी किन्तु बेकार की गतिविधियों पर अंकुश लगाना आपके लिए श्रेयकर रहेगा। आपको अपने करियर में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

**मकर** – आज आपका दिन उत्साह पूर्ण रहेगा। आज आपका समय दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ बितेगा, जिससे आपके रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

**कुम्भ** – अगर आज आप कामकाज के लिए जरूरत से ज्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं। सेवा का प्रतिफल मिलेगा। आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

**मीन** – वित्तीय रूप से आज का दिन आपके लिए काफी शुभ है और कुछ महत्वपूर्ण लाभ प्राप्ति भी संभव है। उद्यमी और व्यवसायी एक नए संघ या साझेदारी में प्रवेश कर सकते हैं।

# सुम्बुल की चमकी किस्मत हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट!

सलमान खान की होस्टिंग वाले बिग बॉस 16 ने इसमें नजर आए कंटेस्टेंट्स की किस्मत चमका दी है। शो खत्म होने से पहले ही कई सदस्यों के पास बड़े प्रोजेक्ट्स के ऑफर थे। वहीं, जिन लोगों को शो में ऑफर नहीं मिले उन्हें अब बिग बॉस खत्म होने के बाद कई प्रोजेक्ट्स के लिए अप्रोच किया जा रहा है। अब खबर आई है कि शो की सबसे छोटी कंटेस्टेंट सुम्बुल तौकीर की भी किस्मत चमक उठी है, क्योंकि उनके हाथ लग चुका है जैकपॉट।

बॉलीवुड | मसाला

## इस शो का हिस्सा बन सकती हैं सुम्बुल

सुम्बुल बेशक शो की विनर न पाई हों, लेकिन उन्होंने अपने ही एक अलग अंदाज से देशभर के लोगों का दिल खूब जीता है। ऐसे में अब खबर आ रही है कि इमली से घर-घर में मशहूर हुई सुम्बुल को अब सुपरहिट टीवी शो कुंडली भाग्य का हिस्सा बनने का मौका मिला है। हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जल्द ही इस शो में लीप आने वाला है और इसी के साथ कई नए कलाकारों की एंट्री होने वाली है। इस समय कुंडली भाग्य में श्रद्धा आर्या और शक्ति अरोड़ा को देखा जा रहा है। अब कहा जा रहा है कि या तो शो में इन दोनों का लुक पूरी तरह से बदल दिया जाएगा, या फिर इनकी जगह नए कलाकार शो में लीड रोल निभाएंगे। ऐसे में माना जा रहा है कि इसी शो में सुम्बुल को एक अहम किरदार निभाते हुए देखा जा सकता है। हालांकि, फिलहाल इन खबरों को लेकर आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी सामने नहीं आ पाई है।

## इन कंटेस्टेंट्स को भी मिले ऑफर्स

बता दें कि सुम्बुल के अलावा टीना दत्ता को भी कलर्स के ही शो दुर्गा और चारू के अप्रोच किया गया है। वहीं, शालीन भनोट को एकता कपूर ने ही अपना एक शो ऑफर किया है। दूसरी ओर प्रियंका चहर चौधरी को लेकर खबर है कि वह शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म में दिख सकती हैं और शिव ठाकरे भी सलमान खान की एक फिल्म का हिस्सा बन सकते हैं। खैर इन खबरों में कितनी सच्चाई है ये तो वक्त ही बताएगा।

बॉलीवुड | मन की बात

# शहनाज गिल का उठ गया है शादी से भरोसा

शहनाज गिल के शो देसी वाइब्स विद शहनाज गिल में भुवन बाम स्पेशल गेस्ट के रूप में शामिल हुए। इस दौरान शहनाज ने भुवन से अपनी पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ के बारे में बात की। साथ ही शहनाज ने कहा कि अब उन्हें शादी जैसी चीजों पर विश्वास नहीं है और वो सिर्फ इसलिए कमा रही हैं क्योंकि उन्हें आगे जा कर किसी के सामने पैसों के लिए हाथ न फैलाना पड़े। शहनाज ने शो में अपनी शादी के बारे में बात करते हुए कहा, लाइफ में आपको नहीं पता न कि आपका फ्यूचर क्या है? आपको हर चीज के लिए तैयार रहना चाहिए। अभी मेरे पास करने के लिए कुछ चीजें हैं तो मैं वही कर रही हूं। आगे जाकर मैं काम करने की पूरी कोशिश करूंगी। कोशिश करूंगी कि काम मिलता रहे, लेकिन अगर मुझे काम नहीं मिला तो कम से कम मेरे पास इतनी सेविंग तो होनी चाहिए कि मैं फ्यूचर में पैसों के लिए किसी के आगे हाथ न फैलाऊं। शहनाज ने आगे कहा, अब मुझे शादी वगैरह में विश्वास नहीं है। अभी मुझे लाइफ में बहुत आगे जाना है। लेकिन मुझे लगता है कि मैं अपनी सेविंग रखूं। मैं ऐसा नहीं सोचती कि मैं पैसे उड़ाऊं, मैं सेव करना चाहती हूं। दरअसल शहनाज, सिद्धार्थ शुक्ला को बहुत पसंद करती थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों रिलेशनशिप में भी थे। 2 सितंबर 2021 को 40 साल की उम्र में सिद्धार्थ का निधन हो गया था। उन्हें हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद उन्हें मुंबई के कूपर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। कहा जाता है कि सोने से पहले सिद्धार्थ ने कुछ दवाएं ली थीं। इसके बाद ही उनकी हालत बिगड़ती चली गई थी। सिद्धार्थ ने शहनाज की गोद में अपनी आखिरी सांस ली थी।मैंने नया घर लिया है शहनाज ने एपिसोड में ये भी खुलासा किया कि उन्होंने नया घर खरीदा है। इस बारे में आगे बात करते हुए उन्होंने कहा, मैंने नया घर लिया है, आप आना कभी मेरे घर पे, लेकिन मेरे कुछ रूल्स हैं। जैसे बिस्तर पर सोने से पहले बालों में तेल नहीं होना चाहिए।

# रोहित शेट्टी के शो में लगेगा उर्फी के ग्लैमर का तड़का

उर्फी जावेद ने अपने ड्रेसिंग सेंस के कारण देशभर में हंगामा मचाया हुआ है। कई बार इस वजह से मुश्किलों में भी पड़ जाती हैं। वहीं, उर्फी के बेबाक बयानों ने भी खूब विवाद खड़े किए हैं। इसी बीच अब खबर आ रही है कि उर्फी को हाल ही में रोहित शेट्टी की होस्टिंग वाले स्टंट बेस्ड शो खतरों के खिलाड़ी 13 में नजर आने वाली हैं। अगर ऐसा होता है कि ये देखना बहुत दिलचस्प होगा कि क्या रोहित के शो में भी उर्फी के अलग ही जलवे देखने को मिलेंगे। हालांकि, फिलहाल इन खबरों की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हो पाई है, लेकिन कहा जा रहा है कि खतरों के खिलाड़ी 13 के मेकर्स ने उर्फी से संपर्क किया है, जिसके लिए उन्होंने हांमी भी भर दी है। अगर सब ठीक रहा तो उर्फी इस शो में नजर आएंगी। बता दें कि इस बार रोहित शेट्टी के शो की शूटिंग साउथ अफ्रीका में की जाएगी। शो के लिए अभी से दर्शकों में काफी उत्सुकता देखने को मिल रही है।

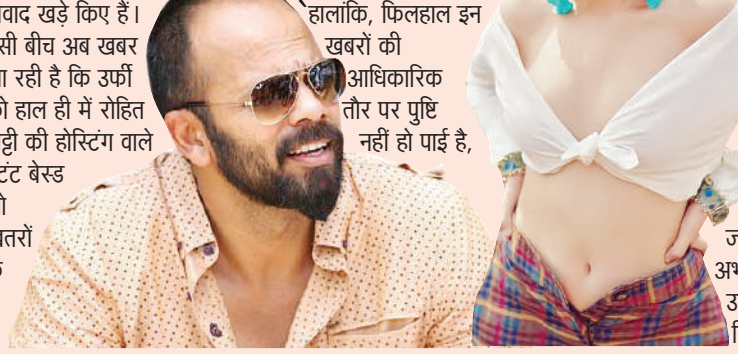

## इन सितारों को भी किया गया अप्रोच

खतरों के खिलाड़ी 13 में उर्फी के अलावा शिव ठाकरे और अर्चना गौतम भी कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आने वाली हैं। वहीं, सुम्बुल तौकीर, मुनव्वर फारूकी और नकुल मेहता जैसे सितारों को भी इस शो के लिए अप्रोच किया गया है। इनके अलावा बिग बॉस 16 में रोहित शेट्टी ने शालीन भनोट को भी इस शो का हिस्सा बनने का ऑफर दिया था, लेकिन उन्होंने अपने फोबिया का कारण बताते हुए इस शो में जाने से इंकार कर दिया।

# अनोखा गांव: यहां एक दूसरे से सीटी बजाकर बात करते हैं लोग

इस दुनिया में कई विचित्र चीजे हैं, जिनके बारे में जानकर लोग हैरान रह जाते हैं। ऐसी विचित्र और अनोखी चीजें हमारे देश में भी हैं। ऐसा ही एक अनोखा गांव मेघालय में भी है। बता दें कि मेघालय राज्य अपने हरे-भरे जंगलों और दुर्लभ वनस्पतियों के लिए भी प्रसिद्ध है। यह एक बेहतरीन टूरिस्ट प्लेस होने के साथ सदियों पुरानी संस्कृतियों को भी संरक्षित करता आया है। आज भी यहां लोग कुछ अनोखी और दुर्लभ परंपराओं के साथ जीते हैं। इन्हीं परंपराओं में से एक है सीटी कम्यूनिकेशन। यहां लोग बोलकर नहीं बल्कि सीटी बजाकर एक दूसरे से बातचीत करते हैं। मेघायल में एक अनोखा गांव है जो राजधानी शिलॉग से 60 किलोमीटर दूर पूर्वी खासी हिल्स जिले में स्थित है। इस अनोखे गांव का नाम कोंगथोंग है। इस गांव को व्हिसलिंग विलेज के नाम से भी जाना जाता है। दरअसल, यहां लोग एक दूसरे तक अपना संदेश पहुंचाने के लिए सीटी की धुन का इस्तेमाल करते हैं, जिस कारण इसे ये अनोखा नाम भी मिला है। हर एक ग्रामीण के लिए ये धुन बेहद ही खास है। यहां के ग्रामीण एक दूसरे को इस अनोखी धुन से बुलाते हैं। ये परंपरा आज से नहीं बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही है। फिवस्टार खोंगसित नाम के एक ग्रामीण बताते हैं कि कोंगथोंग के ग्रामीणों ने इस खास और अनोखी धुन को जिंगरवाई लवबी नाम दिया है। इसका मतलब है कि मां का प्यार भरा गीत।

अजब-गजब | दुनिया की सबसे खतरनाक झील

# इस झील के पानी में जाते ही पत्थर बन जाते हैं जानवर

आपने बचपन में कई ऐसी कहानियां सुनी होंगी, जिनमें जीवित प्राणी पत्थर के बन जाते थे, जिन पर यकीन करना थोड़ा मुश्किल होता था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐसा कहानियों में ही नहीं बल्कि सच में भी होता है। आज हम आपको एक ऐसी ही झील के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसमें अगर कोई जानवर या पक्षी जाता है तो वह पत्थर का बन जाता है। इस खतरनाक झील को मेडुसा लेक या जॉम्बी लेक के नाम से जाना जाता है।

इसका नाम ग्रीक माइथॉलजी में एक फीमेल कैरेक्टर मेडुसा से प्रेरित होकर रखा गया है, जो दिखने में बेहद डरावनी है। कहानी के मुताबिक, वह जिसे भी एक बार देखती है वह पत्थर का बन जाता है। यह झील बेहद खतरनाक है, जो अफ्रीका महाद्वीप के तंजानिया देश में है। वहां के लोग इस झील को नैट्रॉन झील कहते हैं। यह रहस्यमयी झील अरूषा क्षेत्र के न्गोरोन्गोरो जिले में स्थित है।

इस रहस्यमयी झील के बारे में कहा जाता है कि जैसे ही आप इस झील के नजदीक जाएंगे

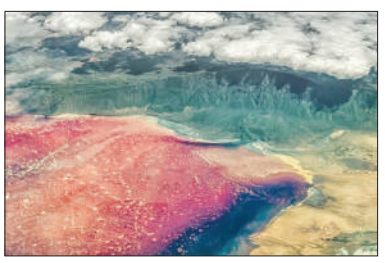

आपको लाल रंग का एक विशाल झील दिखेगा, जहां पर कई पशु पक्षियों की मूर्तियां नजर आएंगी। असल में यह उन पशु पक्षियों की लाश है जो मूर्ति की तरह बन गए हैं। यह दृश्य देखने में बेहद डरावना लगता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि वहां के स्थानीय लोग उस इलाके में जाने से डरते हैं। लोगों का मानना है कि यह झील शापित है।

आपको जानकर हैरानी होगी कि वहां के स्थानीय लोग उस इलाके में जाने से डरते हैं। लोगों का मानना है कि यह झील शापित है। ऐसे में वैज्ञानिकों ने इसके पीछे की वजह जानने की कोशिश की, कि आखिर ऐसा क्या होता है जो वहां जाने वाले सभी पशु-पक्षी मूर्ति बन जाते हैं। इसके बाद सामने आया कि ऐसा इस झील में मौजूद पानी की वजह से होता है।

दरअसल, इस झील के पानी में सामान्य पानी के मुकाबले कहीं अधिक मात्रा में एल्कलाइन मौजूद है। इसकी वजह से इस पानी का पीएच लेवल 10.5 तक है। दोइन्यो लेंगाई ज्वालामुखी को इस बढ़े हुए एल्कलाइन की मात्रा की वजह माना जाता है। इस ज्वालामुखी से निकलने वाला लावा इस झील के पानी में मिलता है और पानी को एल्कलाइड बना देता है, जो बेहद खतरनाक होता है। यह दुनिया का इकलौता ऐसा ज्वालामुखी है जिसके लावा से नैट्रोकार्बोनाइट्स निकलता है। इतना ही नहीं इस झील के पानी में ऐसे कई केमिकल पाए जाते हैं, जिनकी वजह से यहां मरने वाले पशु पक्षियों की लाशों के सड़ने की प्रक्रिया धीमा हो जाती है। यही कारण है कि यहां पशु पक्षियों की लाशें बिल्कुल मूर्तियों जैसी दिखने लगती हैं।

# केंद्रीय बजट के बाद योगी बजट भी किसान-गांव विरोधी : अखिलेश

### » सदन में दिया गया वादा भी तोड़ा कहा- पांच करोड़ विधायक निधि करने की घोषणा की थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष व नेता विरोधी दल अखिलेश यादव ने योगी के बजट को निराशा जनक बताया है। पूर्व सीएम ने कहा कहा कि दिल्ली सरकार ने किसानों और गांव को निराश किया और अब राज्य सरकार के बजट में भी किसानों और गांव के लिए कुछ नहीं है। सरकार बताएं क्या किसानों की आय दोगुनी हुई? क्या किसानों को उनकी फसलों की सही कीमत मिल रही है? डीजल की महंगाई से आवागमन ही नहीं महंगा होता बल्कि सड़क, अस्पताल के निर्माण से लेकर खेती किसानी के कार्य भी प्रभावित हो जाते हैं। युवाओं के रोजगार के लिए कुछ नहीं है।

बजट में इन्वेस्टमेंट पॉलिसी या उद्योग धंधे लगाने के लिए राहत पैकेज नहीं दिया गया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पांच करोड़ विधायक निधि करने की घोषणा की थी पर सदन में दिया गया वादा भी तोड़ दिया। लखनऊ- कानपुर मेट्रो एक इंच आगे नहीं बढ़ी। गन्ना किसानों के साथ लगातार धोखा किया। मां गंगा की सफाई का वादा भी झूठा निकला। गंगा एक्सप्रेस वे निर्माण पर संकट घिरता नजर आ रहा है। अभी तक कोई नया स्टेडियम भी नहीं बना है। भाजपा का यह बजट जनविरोधी, विकास विरोधी है।

### नौकरशाही का बजट, आंकड़ों की बाजीगरी : शिवपाल

आज का बजट नौकरशाही के नाम है। आंकड़ों की बाजीगरी को सलाम। इस बजट से प्रदेश का भला नहीं होगा। राहत के नाम पर कोई योजना नहीं है। सरकार का ध्यान गरीबों पर न होकर सिर्फ अमीरों को फायदा पहुंचाने पर है। शिक्षित बेरोजगारों के लिए सरकार ने कोई प्रावधान करने की जरूरत नहीं समझा है।

### मुंगेरी लाल के हसीन सपने दिखाने वाला बजट : सिन्हा

यह बजट प्रदेश की जनता को मुंगेरी लाल के हसीन सपने दिखाने जैसा है। भाजपा सरकार पिछले वित्तीय वर्ष के बजट के सापेक्ष आधा भी खर्च नही कर पाई है। इसमें किसानों की ऋणमाफी, युवाओं के लिए रोजगार, कर्मचारियों की पुरानी पेंशन, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, प्रेरकों व वित्तविहीन शिक्षकों और प्रशिक्षु अधिवक्ताओं आदि के लिए कुछ भी नहीं दिया है।

# डंपर से टकराई कार, तीन दोस्तों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शामली। उत्तर प्रदेश के शामली जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। एक वैगनआर कार सड़क किनारे खड़े डंपर से टकरा गई, दर्दनाक हादसे में तीन दोस्तों की मौत हो गई। जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, शामली के कैराना इलाके में बुधवार रात वैगनआर सड़क किनारे खड़े डंपर से टकरा गई। हादसे में तीन दोस्तों की मौत गई। जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। बुधवार रात करीब 12 बजे कांधला रोड पर ऊंचा गांव के पास वैगनआर सड़क किनारे खड़े डंपर से टकरा गई।

वैगनआर में सवार तीन दोस्तों आदिल पुत्र महबूब, सादिक पुत्र फरीद, टोनी उर्फ शोएब पुत्र महमूद निवासी मोहल्ला रायजादगान कांधला की मौत हो गई। जबकि दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया।

# रायबरेली में रहस्यमयी बीमारी, अब तक सात की मौत, लोगों में दहशत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**खीरों (रायबरेली)। भीतरगांव ग्राम पंचायत में मौतों का सिलसिला नहीं थम रहा है। बुधवार एक रिटायर संग्रह अमीन ने दम तोड़ दिया। इस तरह मरने वालों की संख्या सात पहुंच गई। लोगों में दहशत है। उधर, ग्रामीणों की सेहत जांचने के लिए बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची।**

भीतरगांव गांव निवासी कमल त्रिपाठी (45), सुक्खा लोधी (75), बरियाथोक गांव निवासी शोभनाथ गौतम (62), ननकई प्रजापति (78), कालीखेड़ा मजरे भीतरगांव निवासी छत्रपाल लोधी (60), गरवर का पुरवा मजरे भीतरगांव निवासी सुक्खा पाल (75) की मंगलवार को कुछ घंटों के अंतराल में मौत हो गई थी। भीतरगांव निवासी व रिटायर संग्रह अमीन सत्तीदीन (70) अपने दरवाजे पर झाड़ू लगा रहे थे। अचानक वह जमीन पर गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। पत्नी राजवती ने बताया कि वह बिल्कुल स्वस्थ थे। कभी बीमार भी नहीं हुए। कोरोना के समय भी वह पूरी तरह स्वस्थ थे, लेकिन उनकी अचानक मौत हो गई।

### सीएमओ पहुंचे गांव

**ग्राम पंचायत भीतरगांव में सात लोगों की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया। सीएमओ डॉ. वीरेंद्र सिंह ने गांव पहुंचकर जांच की। सीएचसी खीरों के डॉ. एसए फारुकी की अगुवाई में टीम ने मिनी सचिवालय भीतरगांव में शिविर लगाकर 42 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए खून के नमूने लिए। जांच में सभी लोग स्वस्थ पाए गए हैं। गांव की नालियों में दवा का छिड़काव कराया। सीएमओ ने बताया कि गांव में सात लोगों की स्वाभाविक मौतें हुई हैं। मरने वालों में एक को छोड़कर सभी बुजुर्ग थे। गांव में लोगों की सेहत जांचने के लिए पांच दिन तक जांच शिविर लगाया जाएगा। बताया कि सीएचसी अधीक्षक डॉ. इफ्तिखार की अगुवाई में जांच टीम बनाई गई है, जो जल्दी ही रिपोर्ट देगी।**

# पलानी ही एआईडीएमके के स्वामी : सुप्रीम कोर्ट

## पनीरसेल्वम गुट की याचिका हुई खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बीते साल 11 जुलाई को हुई एआईडीएमके जनरल काउंसिल की बैठक को वैध माना है। इसी के साथ कोर्ट ने एडप्पादी के.पलानीस्वामी को एआईडीएमके के अंतरिम जनरल सेकेट्री बनाए रखने के फैसले को भी बरकरार रखा है। शीर्ष अदालत ने मद्रास हाई कोर्ट की खंडपीठ के फैसले को चुनौती देने वाली ओ पन्नीरसेल्वम की याचिका भी खारिज कर दी है।**

दिनेश माहेश्वरी और ऋषिकेश रॉय की सुप्रीम कोर्ट बेंच ने गुरुवार (23 फरवरी) को फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ईपीएस गुट के समर्थकों ने चन्नई (तमिलनाडु) में जमकर जश्न मनाया। समर्थकों ने ढोल नगाड़ों पर डांस किया और खूब आतिशबाजी भी की। बता दें एआईडीएमके जनरल काउंसिल ने एडप्पादी के पलानीस्वामी को पार्टी का अंतरिम महासचिव नियुक्त किया था। बैठक में कॉर्डिनेटर और को-ऑर्डिनेटर पदों को भी रद्द कर दिया गया. इससे पहले, कॉर्डिनेटर का पद ओ पन्नीरसेल्वम के पास था। बैठक में महासचिव पद को पुनर्जीवित करने और पार्टी के प्राथमिक सदस्यों को महासचिव चुनने की अनुमति देने का भी निर्णय लिया गया। इसी बैठक में ईपीएस गुट ने ओ पन्नीरसेल्वम और उनका समर्थन करने वाले नेताओं को पार्टी से निकाल दिया था।

### उपचुनाव से ठीक पहले आया फैसला

**गौरतलब है कि सुप्रीम का फैसला इरोड ईस्ट उपचुनाव से ठीक पहले आया है, जो एआईडीएमके के लिए महत्वपूर्ण है। एआईडीएमके को 2019 के संसदीय चुनावों के बाद से पार्टी के आंतरिक झगड़े और घटते समर्थन के कारण कई झटके लगे हैं। हालांकि, अब एआईडीएमके को लेकर जो फैसला आया है, उससे ये देखना होगा कि जमीनी स्तर पर इपीएस की जीत को एआईडीएमके की जीत माना जाएगा।**

# तजाकिस्तान में 6.8 तीव्रता का भूकंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। ताजिकिस्तान और अफगानिस्तान में गुरुवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के फैजाबाद से 265 किमी दूर ताजिकिस्तान में था। यहां 18 मिनट के अंदर दो बार धरती कांपी।**

पहली बार इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.6 मापी गई, जबकि दूसरी बार भूकंप की तीव्रता पांच के ऊपर मापी गई। भूकंप सुबह छह बजकर सात मिनट और छह बजकर 25 मिनट पर आया। पहले झटके का केंद्र जमीन से 113 किलोमीटर और दूसरे का 150 किलोमीटर गहराई में था। इसके अलावा ताजिकिस्तान में मुर्गोब से 67 किमी पश्चिम में भी 6.8 तीव्रता का भूकंप आया। इससे पहले 21 फरवरी को तुर्किये में एक बार फिर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंपीय केंद्र ने बताया कि तुर्किये-सीरिया सीमा क्षेत्र में दो किमी (1.2 मील) की गहराई में 6.4 तीव्रता का भूकंप आया।

# भारत को वनडे में चुनौती देंगे मैक्सवेल

## वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का एलान, बड़े खिलाड़ियों की वापसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैच की वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का एलान कर दिया गया है। 16 सदस्यीय टीम में कई बड़े खिलाड़ियों की वापसी हुई है, जो चोट की वजह से टीम से बाहर थे।**

स्पिन ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भी इस सीरीज में वापसी करेंगे। वह पैर की चोट से जूझ रहे थे। टखने की चोट से जूझ रहे मिशेल मार्श भी टीम में वापस आए हैं। इन दोनों के अलावा झाय रिचर्डसन की भी टीम में वापसी हुई है। वह हैम्सट्रिंग की चोट के चलते टीम से बाहर थे। पैट कमिंस को वनडे टीम की भी कप्तानी सौंपी गई है। डेविड वॉर्नर, स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन जैसे स्टार बल्लेबाज भी इस सीरीज में कंगारू टीम का हिस्सा होंगे। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने बताया कि इस साल के अंत में भारत में होने वाले आईसीसी वनडे क्रिकेट विश्व कप से पहले यह सीरीज ऑस्ट्रेलिया को अभ्यास करने का अच्छा मौका देगी। बेली ने कहा, विश्व कप सिर्फ सात महीने दूर है और भारत में होने वाले ये मैच हमारी तैयारियों की दिशा में अहम कदम हैं। ग्लेन, मिशेल और झाय सभी महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, जो हमें लगता है कि टीम अक्टूबर में टीम का हिस्सा हो सकते हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड का भी दौरा करने वाली टीम में नाम है, वह लगातार चोट से जूझ रहे हैं और बिना कोई मैच खेले भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं।

### ऑस्ट्रेलियाई टीम

**पैट कमिंस (कप्तान), सीन एबॉट, एश्टन एगर, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, झाय रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर, एडम जैम्पा।**

# हार से बौखलाई भाजपा का सदन में हंगामा

**» हाथापाई की, माइक तोड़ा बोतल फोड़ी, बैठक पांचवीं बार शुक्रवार तक के लिए स्थगित, दिल्ली पुलिस सिविक सेंटर पहुंची**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति के सदस्यों के चुनाव के दौरान सदन में हंगामा जारी है। कल रात से सदन की कार्यवाही पांचवीं बार स्थगित हुई है। सत्र को शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। जैसे ही कार्यवाही शुरू होती है पार्षदों का हंगामा शुरू हो जाता है। कल हाथापाई हुई,माइक्रोफोन को तोड़े गए और बोतलें फेंकी गईं और आज सवेरे तक सदन में कागजी गोले रुक-रुक कर चलते रहे। महिला पार्षद भी आपस में भिड़ती रही हैं।

हंगामे के मद्देनजर एडिशनल डीसीपी शशांक जायसवाल ने सिविक सेंटर का दौरा किया है। इससे पहले मेयर, डिप्टी मेयर का चुनाव होने के बाद बुधवार रात स्टैंडिंग कमेटी का चुनाव हंगामे के कारण फंसा रहा। स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव में सदन के अंदर आम आदमी पार्टी और भाजपा के पार्षदों ने एक-दूसरे पर जमकर लात घूंसे चलाए और पानी की बोतलें फेंककर मारीं।

## भाजपा पार्षदों ने किया हमला: शैली

मेयर शैली ओबेराय ने आरोप लगाया है कि भाजपा पार्षदों ने उन पर भी हमला किया। आप के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि चुनाव हुए बगैर सत्र खत्म नहीं होगा। भले सदन लगातार कई दिनों तक चलता रहे। स्टैंडिंग कमेटी भी आप की ही बनेगी। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव पहली बैठक में ही कराने का आदेश दिया है। वहीं, रात करीब एक बजे आप के पार्षद सदन से निकल गए, लेकिन भाजपा के पार्षद बैठकर मेयर का इंतजार करते रहे। दरअसल, मेयर, डिप्टी मेयर के चुनाव में सदस्यों को वोटिंग के दौरान मोबाइल साथ में लेकर जाने की रोक थी। इसका सभी सदस्यों ने पालन भी किया। शांतिपूर्वक ये दोनों चुनाव संपन्न हो गए। इसके बाद मेयर ने एक घंटे के लिए सदन की कार्यवाही को स्थगित करते हुए कहा कि लौटते ही स्टैंडिंग कमेटी का चुनाव शुरू कराएंगी, लेकिन करीब दो घंटे की देरी के बाद मेयर चेयर पर लौटीं। इस दौरान पार्षदों ने सदन में हनुमान चालीसा का पाठ किया और देशभक्ति के गाने भी गाए। सदन में जय श्रीराम, जय बजरंग बली के जयकारे लगाए गए। भाजपा की पार्षद शिखा राय ने निगम सचिव भगवान सिंह से सवाल किया कि मेयर मैडम अपनी चेयर पर लौट रही हैं, वे दो घंटे से गायब हैं। इसके करीब दस मिनट बाद मेयर चेयर पर लौटीं।

## तानाशाही और गुंडागर्दी : संजय

संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, तानाशाही और गुंडागर्दी का आचरण हुआ है। जिन लोगों ने वोट डाल दिया, उसमें भाजपा और आम आदमी पार्टी के भी लोग हैं। एक्ट में मोबाइल फोन नहीं ले जाने का कोई जिक्र नहीं है। हर जगह हार गए हैं। दिल्ली के दो करोड़ लोगों ने हरा दिया, मेयर, डिप्टी मेयर चुनाव में हार गए। अब स्टैंडिंग कमिटी चुनाव में हार रहे हैं। ये हार नहीं पचा पा रहे हैं। संविधान, उच्च न्यायालय को चुनौती दे रहे हैं।

# अयोध्या : भीड़ में घुसी पिकअप, चार को रौंदा

**» गुरुवार की सुबह हुआ दर्दनाक हादसा, एक ही गांव के तीन लोगों की मौत**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। अयोध्या की रुदौली कोतवाली में हुए एक हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। अनियंत्रित पिकअप भीड़ में घुस गई। एक ही गांव के चार लोगों की मौत से कोहराम मच गया। घायलों को एंबुलेंस से भिजवाया गया। अयोध्या जिले के रुदौली कोतवाली के भेलसर पुलिस चौकी अंतर्गत राष्ट्रीय मार्ग पर स्थित ग्राम मुजफ्फरपुर गांव के निकट टाटी बाबा मंदिर के पास डिटर्जेंट पाउडर बेच रहे बाइक सवार सेल्समैन को पीछे से तेज रफ्तार आ रही अनियंत्रित पिकअप (छोटाहाथी) ने जोरदार टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में चार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

चीख पुकार सुनते ही ग्रामीण इकट्ठा होकर पलटी हुई पिकअप के नीचे दबे लोगों को कड़ी मशक्कत से बाहर निकाला। घटना में बाइक सवार डिटर्जेंट पाउडर सेल्समैन अब्दुल बारी पुत्र अब्दुल हसन निवासी चंदी भानपुर थाना तंबौर जिला सीतापुर सहित डिटर्जेंट पाउडर खरीद रही सुरती (19) पुत्री बसंत लाल, जातिरा (42) पुत्री राम दुलारे निवासी जगदीशपुर मजरे फेलसंडा थाना कोतवाली रुदौली जनपद अयोध्या की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हर्षमान (03) पुत्र तिलक राम निवासी थाना कोतवाली रुदौली का इलाज के दौरान मौत हो गई।

# श्रीगोकर्णपुराणसार का हिंदी भाषानुवाद पुस्तक का राज्यपाल ने किया विमोचन

**» आईएएस रमेश नितिन गोकर्ण ने लिखी है पुस्तक**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने श्रीगोकर्णपुराणसार का संस्कृत से हिंदी भाषानुवाद के पुस्तक का विमोचन राजभवन में किया गया। संपूर्ण श्री क्षेत्र गोकर्ण तथा गोकर्ण महाबेश्वर आत्मलिंग का उल्लेख शिवमहापुराण, लिंगपुराण ,स्कन्दपुराण के सह्याद्रि खंड, श्रीमद भागवत , वाल्मीकि रामायण, तथा महाभारत के ग्रंथों में है।

गोकर्ण क्षेत्र को दक्षिण के काशी की भी संज्ञा दी गयी है। गोकर्णस्य महाकाशी विश्वनाथो महाबला यह प्रयास इस ग्रन्थ को जनसामान्य तक सुलभ रूप से पहुँचाने का तथा सनातन संस्कृति की अभिवृद्धि का है। इस पुस्तक को प्रमुख सचिव आवास नितिन रमेश गोकर्ण ने की है। रमेश गोकर्ण पहले सूचना निदेशक भी रह चुके है।

महाराष्ट्र में जन्मे आईएएस अफसर नितिन रमेश गोकर्ण पढ़ने और पढ़ाने का शौक रखते हैं। नितिन रमेश गोकर्ण अपनी हर डिग्री में गोल्ड मेडलिस्ट रहे। बिना कोचिंग के पहले ही प्रयास में आईपीएस अफसर बनकर तीन साल तक नौकरी में अपराधियों की चौखट पर लगातार दस्तक देकर अपराधियों की अरेस्टिंग कर सींखचों के पीछे डालते रहें। आईपीएस सर्विस के तीन साल बाद आईएएस अफसर बनकर जनसेवा कर रहे है। वह प्रदेश सरकार के पी.डब्ल्यू.डी विभाग के प्रमुख सचिव भी रह चुके है।

फोटो: सुमित कुमार

## विधानसभा सत्र का चौथा दिन

बजट सत्र के चौथे दिन सदन में गुरुवार को नेता सदन योगी आदित्यनाथ व नेता विरोधी दल अखिलेश यादव के अलावा विपक्षी पार्टियों के माननीयों व महिला विधायकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।